अगुवा –मार्गदर्शिका

इस बाईबल अध्ययन का प्रयोग कैसे करें

यह बाईबल अध्ययन आगुओं के लिए सरल साधन है, जो अपने समूह को आकर्षक और संवादात्मक तरीके से बाईबल अध्ययन की अगुवाई करने में मार्गदर्शन करता है | इस अध्ययन की सरलता और गहराई हर उम्र और स्तर के बिश्वास करने वाले लोगों को व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से, धर्मशास्त्र की खोज करने के लिए उत्साहित करता है .

यह अध्ययन सहभागियों के लिए धर्मशास्त्र का एक भाग, सामूहिक सभा और आने वाले सप्ताह की तयारी में स्वयं के प्रयोग के लिए मार्गदर्शन करता है |

साहभागी, दिए गए पद को प्रतिदिन पढ़ते हैं, समझने के लिए प्रतिदिन प्रार्थना करते हैं, और प्रति दिन के प्रश्नों को पूरा करते हैं | प्रतिदिन, पवित्रात्मा धर्मशास्त्र के भाग की गहराईको प्रकट करता है और समझने में मदद करता है | सहभागी परमेश्वर के वचन को सक्रिय रूप से अध्ययन करते हैं | नीचे दिए गए बाईबल अध्ययन के सरल तरीकों से व्यक्तिगत खोज करते और परिवर्तनशील सच्चाई को व्यवहार में लाते हैं |

- **<u>अवलोकन</u>**
  वचन क्या कहता है ?
  मुख्य विचार क्या है ?
- **<u>अनुवाद</u>**
  वचन का अर्थ क्या है ?
  महत्वपूर्ण शब्द ,पद और सच्चाई क्या है ?
- **<u>प्रयोग</u>**
  पवित्रात्मा अपने जीवन में इस वचन का प्रयोग करने के लिए कैसे अगुवाई कर रहा है?

<u>एक बाईबल अध्ययन समूह का आरम्भ कैसे करें</u>

हम विश्वास करते हैं और परमेश्वर की इच्छा है कि आप जो हैं, जंहा रहते हैं, काम करते हैं या जो सामाजिक व्यवस्था है, वंहा आपको अनन्त के लिए प्रभावित करने में इस्तेमाल करें | प्रारम्भ करने के लिए यंहा तीन सरल कदम हैं |

1.प्रार्थना

यह प्रार्थना और सम्बध के साथ आरंभ होता है

प्रार्थना

- उस मित्र के लिए प्रार्थना करें, जो आपको बाईबल अध्ययन समूह आरम्भ करने में सहायता करेगा |
- नियमित रूप से एक साथ प्रार्थना करें | परमेश्वर से उसकी योजना और मार्गदर्शन के लिए प्रार्थना करें |
- अपने क्षेत्र में चलते हुए प्रार्थना करें | परमेश्वर के आशीष और सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें |
- लोगों का नाम लेकर प्रार्थना करें | लोगों से मुलाकात ,उनकी देखभाल और उनकी सेवा का अवसर मिलने के लिए परमेश्वर से प्रार्थना करें | देखभाल करने का काम लोगों के हृदय को खोलता है और सम्बंध को मजबूत बनाता है |
- उनके बाईबल अध्ययन में रूचि लेने के लिए प्रार्थना करें |

संबंध:-

- उन लोगों के साथ मिलें जो आपके नजदीक रहते,काम करते और समाज से जुड़े हैं | मित्र बने और उत्साहित करें |
- बातचीत करने का पहल करें - अच्छे प्रश्न पूछें और अच्छा सुनने वाला बनें |
- एक साथ कॉफ़ी,चाय या भोजन में समय बितायें |
- प्रेम प्रकट करने ,देने और सेवा करने का अवसर ढूंढें |

2. जुड़े रहना

.... रूचि रखने वालों को ढूंढें

एकत्रित होने की योजना बनायें

- तारीख ,समय और स्थान निश्चित करें
- आने के लिए इच्छुक लोगों की सूची बनायें
- प्रार्थना के साथ निमंत्रण दें |
- यदि आप चाहें तो नाश्ता का प्रबन्ध करें |
- बातचीत करने के लिए प्रश्नों की सूची या समूह से" परिचित" होने का कार्यक्रम रखें |

समूह को अगुवाई करने का मार्गदर्शन

- यदि इच्छा हो ,तो कॉफ़ी ,चाय और नाश्ता का इंतजाम करें |
- स्वागत करें ,अपना परिचय दें और एक दुसरे को जानें (प्रश्नों का प्रयोग या एक दुसरे के साथ आनंद उठाने का अवसर दें |

- समय की समाप्ति पर कुछ इस प्रकार कहें " हमने एक साथ बहुत अच्छा समय बिताये | मैं एक अच्छा वातावरण और एक देखभाल करने वाला समुदाय बनाना चाहता हूँ , जहाँ एक साथ बाईबल अध्ययन कर सकें और जो कहता है और हमसे सम्बद्ध रखता है, उसका खोज कर सकें | यदि आप इच्छुक हैं तो कृपया जानकारी दीजिये"

3. अगुवाई

... अब आरम्भ करें

- प्रत्येक व्यक्ति के लिए अध्ययन मार्गदर्शिका की कॉपी डौनलोड और प्रिंट करें
- अध्ययन मार्गदर्शिका में सुझाव दिए गए धर्मशास्त्र के चार समूहों मेसे एक को चुनें
- सहभागियों को प्रतिदिन के प्रश्नों का उतर लिखने के लिए नॉट बुक की आवश्यकता होगी |

<u>बाईबल अध्यायन समूह की अगुवाई कैसे करें</u>

संक्षिप्त प्रार्थना के साथ आरम्भ करें

- विषय"**विश्वास"**सम्बधी कहानी को पढ़ें, जिसके नीचे अध्ययन का विषय दिया गया है |
- सहभागियों को धर्मशास्त्र का पद पढने के लिए कहें |
- अध्ययन मार्गदर्शिका में दिए गए प्रतिदिन के प्रश्नों पर विचार विमर्श करें |
- शान्त रहने पर डरें नहीं ,उतर का इन्तजार करें | लक्ष्य आगुवों के उतर देने का नहीं विचार विमर्श है |
- **प्रभावपूर्ण विचार के लिए सहयोगपूर्ण निर्देशन का समूह को नियमित रूप से याद दिलाना महत्वपूर्ण है |**
  - जोर से बोलें ताकि सभी लोग आवाज को सुन सकें |
  - उतरों का वर्णन संछिप्त में दें ,लम्बी कहानी नहीं |
  - विचार विमर्श को ख्रीस्त और बाईबल केन्द्रित रखें |
  - केन्द्रित रहें और विवादस्पद बातों को रोकें |

समूह को इस बात की निश्चयता दें कि प्रत्येक सहभागियों के जीवन की आत्मिक यात्रा में चाहे वे जिस भी परिस्थिति में हैं, पवित्रात्मा अपने वचन को पूरा करेगा और उनको वह शिक्षा दें ,जो उनको अपने जीवन के लिए जानना है और जीवन में प्रयोग करना है |

- सत्र के अंत में ,अगले सप्ताह के लिए निश्चित धर्मशात्र के पदों को पढने के लिए दें |
- समूह को उत्साहित करें कि अन्य लोगों को अध्यायन समूह में आने के लिए निमंत्रण दें |यह नये लोगों के लिए स्वागतयोग्य वातावरण और देखभाल करने वाली समुदाय का निर्माण करता है

- संक्षिप्त प्रार्थना द्वारा सत्र को समाप्त करें |

अध्ययन को बढ़ाने के लिए अतिरिक्त फोलोअप प्रश्न:-

- परमेश्वर और क्या सिखाया ?
- क्या पूर्ण तरीके से अपने उतेरों का वर्णन कर सकते हैं |
- क्या कोई और इन उतेरों में जोड़ सकता है ?
- इस पद में सबसे अधिक आपको क्या प्रभावित करता है ?

परिचय :

विश्वास का यह बाइबल अध्ययन बयान से बाहर बहता है | परमेश्वर कहता है पूरी तरह विश्वास, मैं अपने हृदय को विश्वास से जीने के लिए समर्पित करता हूँ । परमेश्वर ने पक्षियों को चारों-तरफ उड़ने के लिए बनाया है,घोंसले में रुके रहने के लिए नहीं | उसकी माँ बचपन से खिलाती है और बढ़ने तक सुरक्षा देती है और उन्हे उड़ना सिखाती है | क्या होता है जब एक चिड़िया बच्चा घोंसले से बाहर विश्वास का छलांग लगाती है और सभी सच्चाई का अनुभव करती है, जैसा कि उसकी माँ ने सिखायी और नमूना दिखाई है । क्या आप कभी कल्पना कर सकते हैं ? जब चिड़िया उड़ सकती हैं, क्या वो हमेशा के लिए घोंसले में ही रहेगी ?

परमेश्वर चाहता है ,विश्वासी ,विश्वास के पंखों से उड़ें | बाइबल मार्गदर्शक किताब है, चरित्र उदाहरण हैं ,और पवित्र आत्मा विश्वास के जीवन के लिए शिक्षक है |बाइबल कहानियों से भरी हैं, उनके लिए जो उदासीनता ,विद्रोह और अनाज्ञाकरिता के कारण रुके हुए हैं और उनके लिए जो अद्भुत विश्वास के पंखों से उड़ते है | बाइबल विश्वास से जीने के लिए स्पष्ट निर्देश देता है, जबकि पवित्रात्मा विश्वासियोंको पंख लेकर आगे बढ़ाता और सामर्थ देता हैं | प्रति सप्ताह उतर देने के लिए प्रश्न - क्या आप रुके रहने का चुनाव करेंगे या उड़ने का ?

अपने पंखों के जाँचने के लिए आपको ,विश्वास सीखाएगा,तैयार करेगा और उत्साहित करेगा |चार -आठ सप्ताह का बाइबल अध्ययन ,बाइबल की दर्जनों विशेषताओं वैसा ही यीशु और पौलुस का विश्वास के ऊपर, शिक्षा की सूक्ष्मदृष्टि देगा | न्यायियों के किताबों से लेकर ,1 शमुएल, 1 और 2 राजा ,प्रेरितों ,यूहन्ना और रोमियों के किताबों के पदों को पढ़ें और ऊपर उठने के लिए सीखें |

NBS2GO

विश्वास ©2017 NBS2GO.सर्वाधिकार सुरक्षित | मूल रूप से अंग्रेजी में ऐसा प्रकाशित हुआ था FAITH © 2016 NBS2GO. | NBS2GO द्वारा अनुवादित और सांस्कृतिक रूप से स्वीकार किया गया | http://www.nbs2go.com